दैनिक चैतन्य लोक
इंदौर | धार | झाबुआ | भोपाल
गुरुवार 31 जनवरी 2019

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय इन्दौर में दो दिवसीय राबोटिक्स प्रतियोगिता 'नवयंत्रम्' का भव्य शुभारंभ

चैतन्य लोक » इंदौर
dainikchaitanyalok.com

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय, इन्दौर में 30 जनवरी से राष्ट्रीय स्तर की दो दिवसीय राबोटिक्स प्रतियोगिता 'नवयंत्रम' का भव्य शुभारंभ किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश सहित संपूर्ण भारत के अलग-अलग राज्यों से आए हुए कई प्रतिभाशाली छात्रों ने भाग लिया एवं अपने तकनीकी कौशल का प्रदर्शन किया। इसमें कई स्कूलों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

नवयंत्रम में सात अलग-अलग प्रकार की प्रतियोगिताओं जैसे हर्डल रेस, केनाईंग, रोबोसॉकर, मेझ सॉल्वर, रोबो रेस, लाईन फॉलोअर, हॉवर बोट आयोजित की गई । इन सभी प्रतियोगिताओ को श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय के उज्जैन रोड़ स्थित कॅम्पस में आयोजित किया जा रहा है। छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए 1,00,000 रूपये तक की इनाम राशि रखी गई है। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. देबाशिष चक्रवर्ती, प्रोफेसर, आईआईटी खड़गपुर थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. उपिन्दर धर ने आज के समय में विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवीन प्रयोगों एवं नए विषयों की आवश्यकता के बारे में बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ चक्रवर्ती ने रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, आयओटी, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं इन्स्ट्रुमेंटेशन के संयोजन से भविष्य में बनने वाले रोबोट के संदर्भ में बताया। कार्यक्रम के कन्वीनर डॉ. नमित गुप्ता द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान होने वाले विभिन्न प्रतियोगिताओं के बारे में बताया। अंत में प्रो. अंजलि गुप्ता द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

एक समय आएगा जब रोबोटिक्स हमारे जीवन के हर पहलू को छुएगा

वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में बुधवार से शुरू हुई नेशनल रोबोटिक्स कॉम्पीटिशन 'नवयंत्रम' में आए डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती ने कहा

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

नवयंत्रम जैसे इवेंट्स स्टूडेंट्स की स्किल्स को एग्जीबिट करने का प्लेटफॉर्म तो होते ही हैं, ये उनके पोटेंशियल को भी बढ़ाते हैं।

डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती

इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स के साथ यहां स्कूली स्टूडेंट्स ने भी अपने रोबोट्स एग्जीबिट किए। यदि स्कूल लेवल से ही हम बच्चों में रोबोटिक्स के प्रति आकर्षण पैदा कर सकें तो हम भी इस क्षेत्र में कुछ बेहतर कर पाएंगे। स्मार्ट फोन्स ने जिस तरह हमारे जीवन में कई महत्पूर्ण परिवर्तन किए हैं वैसे ही रोबोटिक्स भी हमारी लाइफ के हर पहलू को छुएगा। ये बातें आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर डॉ. देबाशीष चक्रवर्ती ने कही। उन्होंने रोबोटिक्स में आने वाले बदलावों को भी बताया। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. उपिंदर धर ने भी संबोधित किया।

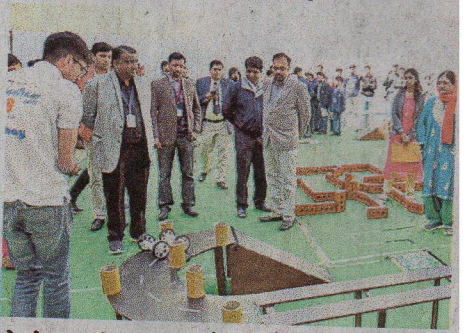

रोबोट्स ने लगाई दौड़, पार किए हर्डल्स

बुधवार से शुरू हुई इस नेशनल लेवल रोबोटिक्स कॉम्पीटिशन में इंदौर, उज्जैन और भोपाल के अलावा, नासिक, कुरुक्षेत्र और गोवा के स्टूडेंट्स ने भी पार्टिसिपेट किया। कुल 102 स्टूडेंट्स ने अपने रोबोट्स प्रेजेंट किए। इन रोबोट्स ने आपस में रेस लगाने के साथ ही फुटबॉल खेली और हर्डल्स को भी पार किया। दो दिनों तक चलने वाली इस कॉम्पीटिशन के विजेता को 1 लाख रुपए तक की राशि के पुरस्कार दिए जाएंगे।

Patrika Date: 31.01.2019

वैष्णव विवि में रोबोटिक्स कॉम्पीटिशन की शुरुआत, देशभर से 102 स्टूडेंट्स दिखा रहे स्किल्स

लाइन फॉलो करने वाले रोबोट्स बनाए, इसी कॉन्सेप्ट से तैयार होगी ड्राइवरलेस कार

पत्रिका PLUS रिपोर्टर

इंदौर ◆ श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में बुधवार से दो दिवसीय नेशनल रोबोटिक्स कॉम्पीटिशन नवयंत्रम की शुरुआत हुई। पहले दिन गोवा, भोपाल, नासिक, पुणे, कुरुक्षेत्र, उज्जैन व इंदौर से 102 स्टूडेंट्स ने अपने रोबोट्स के जरिए टेक्निकल स्किल्स प्रजेंट की। अब गुरुवार को फाइनल राउंड होगा। एक लाख रुपए इनामी राशि वाले इस कॉम्पीटिशन में स्टूडेंट्स ने हर्डल रेस, कैनोइंग, रोबो सॉकर, मेझ सॉल्वर, रोबो रेस, लाइन फॉलोअर, हॉवर बोट कैटेगरी में अपने रोबोट्स दिखाए। इसमें लाइन फॉलोअर रोबोट्स ने ड्राइवरलेस कार के कॉन्सेप्ट पर काम किया जा सकता है। ये रोबोट्स एक फीडबैक मैकेनिज्म की मदद से किसी एक लाइन को फॉलो करते हैं। सेंसर की मदद से सफेद लाइन या फिर अन्य किसी ऑब्जेक्ट को पहचानकर फॉलो करते हैं। इसके कई उपयोग हो सकते हैं। ऑटोमेटिक कार के अलावा भी इसके कई फायदे हैं। इंडस्ट्री में पारंपरिक कन्वेयर बेल्ट्स के स्थान पर ऑटोमेटिक प्रोडक्ट कैरियर के तौर पर यूज हो सकते हैं। घर में फर्श की सफाई हो या फिर सार्वजनिक क्षेत्र, मॉल आदि स्थानों पर लोगों को रास्ता बताने का काम, ये रोबोट्स आसानी से इसे अंजाम दे सकते हैं।

लाइन फॉलोअर

रोबो सॉकर

रोबो डांस

कैनोइंग रोबो

नदी सफाई में काम आ सकते हैं रोबो कैनोइंग

स्टूडेंट्स ने पानी में चलने वाले रोबो कैनोइंग बनाए। इसके लिए कॉलेज में एक विशेष पूल तैयार किया गया। वायरलेस और वाटरप्रूफ रोबो को तीन चेकपोस्ट पार कर फिनिश लाइन तक पहुंचने का टार्गेट दिया। गेंद, फूल जैसे हर्डल्स भी क्रॉस करने थे। मिनिमम टाइम में जो रोबो फिनिश लाइन तक पहुंचेगा, उसे विनर घोषित किया जाएगा। प्रो. अंजलि गुप्ता ने बताया, इस तरह रोबो में थोड़ा मोडिफिकेशन कर कई उपयोग लिए जा सकते हैं। अंडरवाटर एप्लीकेशन में काम आ सकता है। सेंसर या कैमरा फिट कर दें तो नदी की सफाई में भी मदद कर सकता है। साथ ही माइंस, युद्ध या तनावग्रस्त क्षेत्र में भेजकर रैकी की जा सकती है।

मुख्य अतिथि आइआइटी के प्रो. डॉ. देवाशीष चक्रवर्ती ने कहा, रोबोटिक्स, ऑटोमेशन, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आइओटी), आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस व इंस्ट्रूमेंटेशन के संयोजन से भविष्य में बनने वाले रोबोट हर किसी के जीवन का प्रमुख हिस्सा होंगे। इस क्षेत्र में कॅरियर के लिए अपार संभावनाएं हैं, इसलिए स्टूडेंट्स को कॅरियर बनाने की सोचना चाहिए। विवि के कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने आज के दौर में विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवीन प्रयोग व नए विषयों की आवश्यकताओं के बारे में बताया। कन्वीनर डॉ. नमित गुप्ता ने इवेंट्स की जानकारी दी। प्रो. अंजलि गुप्ता ने आभार व्यक्ति किया।